एनविस न्यूज लेटर

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल

अंक–छठवां | हमारा संकल्प–स्वच्छ पर्यावरण | जुलाई–2005

डॉ. रमन सिंह
मुख्यमंत्री,
छत्तीसगढ़ शासन,
रायपुर

05 जून, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर

संदेश

यह हमारा सौभाग्य है कि छत्तीसगढ़, पर्यावरण से समृद्ध रहा है एवं तेजी से औद्योगिक विकास कर रहा है। हमारे राज्य में सन्निहित है, ज्ञान–विज्ञान, संस्कृति और सौन्दर्य का अनोखा संगम। विश्व पर्यावरण दिवस पर संकल्प लें कि हम राज्य में प्रकृति की हरियाली, आकाश में छाये मेघ, इन्द्रधनुषीय घटा, वर्षा की फुहारें, तालाब और नदियों के जल को अपनी संस्कृति, परम्परा और विरासत से जोड़ते हुए इनकी रक्षा करेंगे। हमारा कर्तव्य है कि हम राज्य के सम्पूर्ण पर्यावरण को सुरक्षित, संरक्षित और सम्वर्धित करते हुए प्रकृति व जीवन के मध्य तालमेल रखें।

(डॉ. रमन सिंह)

गणेशराम भगत
मंत्री,
आवास एवं पर्यावरण
छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर

05 जून, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर

संदेश

हमारे छत्तीसगढ़ राज्य में पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण का इतिहास सदियों से एक पुरातन संस्कृति रही है। हमारे तीज–त्यौहार एवं क्रियाकलाप, जो पीढ़ी–दर–पीढ़ी पूर्वजों से चले आ रहे हैं, वे सब प्राकृतिक सम्पदा के संरक्षण पर आश्रित रहे हैं। आइये हम सभी संकल्प लें पर्यावरण की रक्षा का, अपनी धरती की रक्षा का, उसके नवनिर्माण का। जिससे कि हम राज्य के सुनहरे भविष्य का निर्माण कर सकें।

(गणेशराम भगत)

श्री पी.जॉय. उम्मेन, प्रमुख सचिव, आवास, पर्यावरण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, मंडल के नये अध्यक्ष

श्री पी.जॉय. उम्मेन, प्रमुख सचिव, आवास, पर्यावरण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, ने मंडल के नये अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। केरल के अलापुझा जिले में जन्में श्री उम्मेन, छत्तीसगढ़ कैडर के 1977 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। श्री उम्मेन ने केरल विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने के पश्चात् विकास अर्थशास्त्र पर आग्लिया विश्वविद्यालय, यू.के. से स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है।

श्री उम्मेन, मध्यप्रदेश की सेवा के दौरान वित्त, सचिव, माननीय राज्यपाल, प्रबंध निदेशक, वस्त्र निगम, प्रबंध निदेशक, आर्थव्यवसायी विकास निगम, प्रबंध निदेशक, मध्य प्रदेश औद्योगिक केन्द्र विकास निगम तथा कलेक्टर, देवास के पद पर रहे। भारत सरकार में वर्ष 1990 से 1995 के दौरान इनकी पदस्थापना संयुक्त सचिव, जनरल फारेन ट्रेड के पद पर रही। वर्ष 1999 से 2004 तक श्री उम्मेन मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सदस्य सचिव, केन्द्रीय सिल्क बोर्ड, बैंगलोर के पद पर पदस्थ रहे। छत्तीसगढ़ शासन में प्रमुख सचिव, आवास एवं पर्यावरण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के पद ग्रहण के पूर्व श्री उम्मेन, प्रमुख सचिव, वन एवं ट्रायबल वेलफेयर विभाग के पद पर पदस्थ थे। निश्चित रूप से मंडल इनके सुदीर्घ अनुभवों से लाभान्वित होगा।

श्री अनिल कुमार शर्मा
मंडल के सदस्य सचिव

श्री अनिल कुमार शर्मा, मुख्य अभियन्ता एवं विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायपुर मंडल के प्रथम सदस्य सचिव नियुक्त किये गये हैं। 04 नवम्बर 1978 को मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से सहायक अभियन्ता के रूप में श्री शर्मा ने अपनी सेवा प्रारम्भ की। सिविल इंजीनियरिंग में जबलपुर अभियांत्रिकीय महाविद्यालय से बैचलर डिग्री प्राप्त करने के उपरान्त श्री शर्मा ने आई.आई.टी. कानपुर से इन्वायरोमेन्टल इंजीनियरिंग में एम.टेक. की उपाधि प्राप्त की। मंडल में 27 वर्षों की अपनी सेवा में विभिन्न पदों पर रहते हुए श्री शर्मा ने महत्वपूर्ण संस्थानों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं व सेमीनार में भाग लिया।

उज्ज माँ वस्त्रहीन, ग्राम महिला वन रक्षा समिति, ग्राम–कोसमखुंटा, जिला–रायपुर

शासकीय हाईस्कूल, शेर, महासमुन्द

ग्राम–कोसमखुंटा की सभी महिलाओं ने संगठित होकर महिला मंडल का गठन किया एवं महिला स्व–सहायता समूह के माध्यम से गाँव के उजड़ते जंगल को हरा–भरा करने एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया है। संस्था द्वारा न केवल कोसमखुंटा के उजड़े जंगलों में सेनहा, कोरिया, करा, सागौन, बीजा, धौरा आदि प्रजाति के हजारों वृक्ष लगाये गये, बल्कि महिला जागृति के माध्यम से जंगलों की चौबीसों घंटे चौकीदारी भी की, जिससे कोसमखुंटा का जंगल हरा–भरा हो गया है। संस्था की महिलाएँ, जो कि दिन–रात मजदूरी करती हैं, के द्वारा महिला सशक्तिकरण व जागृति के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का जो सराहनीय कार्य किया जा रहा है, इसी को प्रोत्साहित करने हेतु वनवासी संत गहिरा गुरूजी महाराज छत्तीसगढ़ पर्यावरण पुरस्कार–2005 से सम्मानित किया गया है।

ग्राम वन सुरक्षा समिति, अम्बागढ़ चौकी नगर पंचायत, अम्बागढ़ चौकी में विगत तीन वर्षों से पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव एवं ग्राम वन शांति के लिये कार्यरत संस्था है। संस्था द्वारा गाँव–गाँव जाकर पर्यावरण संरक्षण हेतु जन–जागृति, प्रदूषण व उसे दूर करने की जानकारी तथा कला जत्था के माध्यम से पूरे जिले में वनों को आग से बचाने संबंधी अभियान चलाये जा रहे हैं। "समाज हित, वन हित एवं राष्ट्र हित" हेतु संकल्पित एवं समर्पित इस संस्था द्वारा चलाये जा रहे वन सुरक्षा अभियान से क्षेत्र में वन एवं वन सम्पदा का संवर्द्धन हुआ है।

संस्था द्वारा सघन वृक्षारोपण, वनों की सुरक्षा, अवैध कटाई, अवैध चराई, अवैध शिकार पर रोक व वनोपजों की सुरक्षा, अतिक्रमण के विरुद्ध जागरूकता अभियान को प्रोत्साहित करने हेतु संस्था को वनवासी संत गहिरा गुरूजी महाराज छत्तीसगढ़ पर्यावरण पुरस्कार–2005 से सम्मानित किया गया है।

ग्राम वन सुरक्षा समिति, अम्बागढ़ चौकी, जिला–राजनांदगाँव

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, ग्राम–बस्तर, जिला–बस्तर

शासकीय हाईस्कूल, शेर, के इको क्लब द्वारा संपूर्ण महासमुन्द क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों, पालकों एवं ग्रामीण नागरिकों में चेतना जागृत करने का कार्य किया जा रहा है। विद्यार्थियों द्वारा विगत तीन वर्षों से पर्यावरण संरक्षण के अन्तर्गत वृक्षारोपण अभियान चलाये जा रहे हैं। जन–जागरूकता हेतु समय–समय पर रैली, पर्यावरणीय गीत, नाटक, वाद–विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिताएं व नारा लेखन का कार्य किया जा रहा है। ग्रामों की निस्तारी हेतु उपयोग में लाये जाने वाले तालाब, नलकूप, सार्वजनिक कुओं व निजी कुओं की साफ–सफाई, आसपास के [illegible] निर्माण हेतु प्रेरित किया जाना, जल संरक्षण हेतु [illegible] निर्माण का कार्य किया जा रहा है। संस्था को पर्यावरण [illegible] एवं जल [illegible] सराहनीय कार्य हेतु इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, ग्राम–बस्तर में शहीद गुण्डाधूर इको क्लब की स्थापना की गई है। इको क्लब द्वारा न केवल ग्राम–बस्तर में अपितु आस–पास के अन्य ग्रामों में भी पर्यावरण के साथ–साथ आदिवासी संस्कृति के संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। सभी घरों में वृक्षारोपण एवं उन्हें सुरक्षित रखने हेतु प्रेरित करना, रिक्त भूमि में सघन वृक्षारोपण, ग्राम पंचायत में वृक्ष कटाई पर रोक, [illegible] की सुरक्षा, साथ ही आस–पास के गाँवों में पर्यावरण से संबंधित जानकारी का प्रचार–प्रसार तथा चित्रकला, वाद–विवाद, निबंध प्रतियोगिताओं व रैली आदि के माध्यम से जन–जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। पर्यावरण शिक्षा, वृक्षारोपण, [illegible] संरक्षण व आस–पास के गाँवों में पर्यावरणीय चेतना जागृत करने जैसे कार्यों को प्रोत्साहित करने हेतु संस्था को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

संरक्षक	पी. जॉय उम्मेन, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायपुर
संपादक	अनिल कुमार शर्मा, सदस्य सचिव, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायपुर
संयोजन	अमर प्रकाश सावंत, सहायक जन सम्पर्क अधिकारी
प्रकाशक	अनिल कुमार शर्मा, सदस्य सचिव, पर्यावरण सूचना केंद्र छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, नानक निवास, सिविल लाईन्स, रायपुर.
आकल्पन एवं मुद्रण	छत्तीसगढ़ संवाद